छींकता हूं तो मोदी को चेतावनी, हंसता हूं तो शाह पर तंज

मैं बोलता हूं तो तूफान उठता है, मौन रहता हूं तो खलबली मच जाती है

प्रतिनिधि, 17 फरवरी

नागपुर- ''आपको तेजी से गंजापन आ रहा है' मगर मैं ऐसा कहूं तो मेरे इस कहने का सीधा संबंध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जोड़ दिया जाएगा. यदि मैं छींकता भी हूं तो मोदी को चेतावनी, मैं हंसता हूं तो अमित शाह पर तंज मान लिया जाता है. और तो और मेरे छींकने-हंसने को आरएसएस का आशीर्वाद मान लिया जाएगा. मैं जो कुछ सहज भाव से कह देता हूं उसका हमेशा गलत मतलब निकाल लिया जाता है. इन दिनों मीडिया और मेरे विरोधी मेरे हर बयान की ओर इसी तरह देख रहे हैं. ' मैं बोलता हूं तो तूफान उठ जाता है, मौन रहता हूं तो खलबली मच जाती है.''

इन दिनों कुछ ऐसा ही माहौल बन गया है. केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी उनकी हमेशा के खास अंदाज में बताते हैं. आज-कल मीडिया में छाए रहते हैं. उनके बयानों का संबंध सीधा मोदी-शाह से जोड़ा जाता है. इस पर जब गड़करी से बातचीत की गई तो वह कहने लगे, 'अब मैं जो कुछ बोलूंगा उसका आप भी गलत मतलब मत निकाल लेना, नहीं तो और दस मर्तबा मुझे सफाई देनी पड़ेगी, ऐसा कहते हुए गड़करी ने बपनी बात आरंभ की. विजय माल्या को लेकर मैंने जो कुछ कहा, उस पर अब भी मैं कायम हूं. लेकिन मेरे अन्य बयानों का हमेशा ही गलत मतलब निकाला गया

है, जिन्हें मेरा स्वभाव पता है, उन्हें मेरे बोलने का कुछ नहीं लगता. मेरे जिन बयानों पर तूफान उठे हैं, ऐसे बयान इससे पहले भी मैं कई बार नागपुर में दे चुका हूं, लेकिन कभी उन बयानों की खबरें नहीं बनीं. लेकिन इन दिनों विरोधी मेरे कंधे पर बंदूक रखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह पर निशाना साधने की कोशिश कर रहे हैं. इसलिए मुझे बलि का बकरा बनाया जा रहा है. विद्यार्थी परिषद के कार्यक्रम में मैंने एक पुराने कार्यकर्ता की याद बतलाई. उस कार्यकर्ता ने मुझसे कहा कि 'मैं देशसेवा के लिए मेरी जिंदगी समर्पित करना चाहता हूं', वह गरीब था. मैंने उसे कहा कि, 'पहले घर संभाल, आर्थिक रुप से मजबूत हो जा और फिर देशसेवा कर'. अब बताइए मेरे इस बयान का मोदी से क्या संबंध है? सहकारी बैंकों के मुनाफे और घाटे पर मैंने बात की.

सहकार क्षेत्र में जारी गड़बड़ियों के बारे में मेरा वह बयान था. इस क्षेत्र का जो लोग नेतृत्व कर रहे हैं, उन पर मेरी टिप्पणी थी. लेकिन मीडिया ने इसका संबंध सीधा अमित शाह से जोड़ दिया. मुझे साजिश रचना नहीं आता. किसी के पीछे उसकी बुराई करना मेरा स्वभाव नहीं है. जो है, उसे साफ बोल देता हूं, किसी को पसंद आए न आए मैं साफ-सुथरी बात करता हूं, ये मेरा स्वभाव है. लेकिन मैं अब यह भी समझने लगा हूं कि मेरे इसी स्वभाव से मुझे नुकसान भी होने लगा है. लेकिन यह भी मैं साफ कर दूं कि मेरे बारे में कितना ही लिखा जाए, टीवी पर कुछ भी दिखाया जाए, मैं मेरा यह स्वभाव बदलने वाला नहीं.

प्रधानमंत्री पद के सवाल पर गड़करी ने कहा कि, 'कितनी बार बताऊं, मुझे प्रधानमंत्री नहीं बनना, मेरा ऐसा सपना भी नहीं है, दीवारों पर पोस्टर लगाने वाले कार्यकर्ता को इतना कुछ हासिल हुआ, यह काफी नहीं है क्या? मैं तो कहूंगा, क्षमता से ज्यादा ही मिला है मुझे.' एक बात साफ है, अगले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही होंगे. मीडिया वाले कहते हैं कि मैं आरएसएस का पसंदीदा हूं, लेकिन संघ में ऐसी कोई पसंद-नापसंद नहीं होती है. संघ व्यक्ति पूजा से परहेज करता है. संगठन और देश के लिए समर्पण की भावना से काम करने वाला हर कार्यकर्ता संघ को प्रिय है. केवल विरोध के लिए विरोध करना मुझे नहीं आता. चुनाव तो 15 दिनों के लिए होते हैं, और हम सभी इसी दौरान के लिए विरोधी होते हैं. चुनाव खत्म होने के बाद हम सभी को एक-दूसरे के प्रति गुस्सा, द्वेष अपने मन से निकाल देना चाहिए.

सोनिया गांधी के साथ विरोधियों ने लोकसभा में मेरा अभिनंदन किया. यही मेरे काम की रसीद है. मैंने एक बात तय कर ली है, सभी को मदद करना है और बुरा किसी का नहीं करना. सभी राजनीतिक दलों के लोग मेरे पास आते हैं. मैं उनकी मदद करता हूं. इसका यह मतलब नहीं कि उन पर कोई उपकार कर रहा हूं. अब उसमें राजनीति के लिए रुकावटें लाना यह शुद्ध रुप से बदमाशी है. मुझे यह जिंदगीभर कभी नहीं जम सकता.

भाजपा-शिवसेना गठबंधन के बारे में गड़करी ने कहा कि यह गठबंधन दोनों के लिए फायदेमंद है. यदि मन में बुराई रखकर गठबंधन होगा तो कार्यकर्ता दिल से काम नहीं करेंगे. दोनों पार्टियों के नेताओं को अब संयम दिखाना चाहिए. राजनीति में यदि आप बहुत ज्यादा महत्वाकांक्षा रखते हैं तो रखते हैं तो फिर बड़े पद मिलने के बाद भी आप संतुष्ट नहीं हो सकते.

बतौर मंत्री काम करते हुए मैं छोटी-छोटी बातों में समाधान खोजता रहता हूं. मेरे बेटे का मित्र है रोशन भानुसे. स्कूली दिनों में ही उसे कैंसर हुआ. बेटे ने मुझे बताया, रोशन का पूरा इलाज हमने किया. उसकी शिक्षा पूर्ण की. वह इंजीनियर हुआ. अब वह प्राध्यापक है.

रोशन हमें माता-पिता मानता है, वह मिलने आया. काम का तनाव उसी समय दूर हो गया. मेरे समाधान के यह सब कारण है. मेरी सभी से विनती है कि सार्वजनिक जीवन में काम कर रहे किसी भी शख्स के बयान का गलत अर्थ न निकालें.

(साभार : लोकमत समाचार)

बहन को नहीं कार्यकर्ता को दी प्राथमिकता

मैं जब राज्य में मंत्री था, तब की यह बात है. एक कॉलेज में नौकरी के लिए एक कार्यकर्ता मेरे पास आया था. उसी पद के लिए मेरी पत्नी कांचन ने मेरी चचेरी बहन के लिए भी बात की थी. दो दिनों तक यह समझ नहीं पा रहा था कि क्या करना चाहिए. आखिरकार यह फैसला लिया, मैं जिन कार्यकर्ताओं की वजह से इतना बड़ा हुआ, उसी को मैंने वह नौकरी दिला दी. राजनेताओं को इसका खयाल हमेशा रखना चाहिए. इसीलिए मैंने मेरे परिवार के सभी को यह समझाया है कि उनमें से कोई भी राजनीति में न आएं.

बर्डी फ्लाईओवर से कूदकर दी थी जान
व्यापारी की आत्महत्या में 17 पर मामला दर्ज

प्रतिनिधि, 17 फरवरी

नागपुर-धंतोली थानांतर्गत व्यापारी पांडे लेआऊट निवासी शिरीष लक्ष्मणराव मोघे द्वारा आत्महत्या के मामले में पुलिस ने 17 लोगों को नामजद किया है. शिरीष के साथ रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से 37 लाख रूपये का कर्ज दिलाने के नाम पर 6 लाख रूपये की धोखाधडी की गई थी. इसी से परेशान होकर शिरीष ने 5 जून 2018 को रात 12.30 बजे बर्डी फ्लाईओवर से कूदकर जान दे दी थी. आरोपियों में गौर शर्मा, मैक्स प्रोपिट सोल्यूशन, मित्तल, पीएम राज गोवर, सिंघानिया, सोनी, तन्नु, विक्की खुराना, सरनवत, कक्कर, सिध्दार्थ अग्रवाल, स्मार्ट इन्वेस्ट सोल्यूशन, रवि राठोड़ बैंक ऑफ बरोडा, अनिलकुमार बैंक ऑफ बरोड़ा, माणिक खुराना यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के नाम शामिल है. सभी पर शिरीष को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है.

शिरीष की जेब से सुसाइड नोट और मोबाईल मिला था. शिरीष ने अपने सुसाइड नोट में सभी 17 आरोपियों के नाम भी लिखे थे. जांच में पता चला की आरोपी बार-बार शिरीष से संपर्क कर उन्हें आरबीआई से 38 लाख का लोन दिलाने का झांसा देते रहे. लोन दिलाने के लिए आरोपियों ने शिरीष से 6 लाख रूपये की रकम ऐंठ ली. लेकिन कर्ज नहीं दिलाया. ऐसे में शिरीष ने अपने 6 लाख रूपये वापस मांगने शुरू किए तो आरोपियों ने उन्हें टालना शुरू कर दिया.

भावना भुतड़ा प्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित

संवाददाता, 17 फरवरी

दर्यापुर - भावना भुतड़ा द्वारा किये गए मकड़ी शोधकार्य के लिए उन्हें प्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित किया गया. टाउन हॉल, नेहरु मैदान में स्मृति चिन्ह, शॉल, श्रीफल प्रदान कर उनका सम्मान किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन पालकमंत्री प्रवीण पोटे के हाथों हुआ. इस समय कर्नल अभय कट्यारमल, न्या. आरती सचदेव, राजश्री देसाई, अधि. नीलम जैन, पार्षद प्रशांत वानखड़े, सुरेखा लुंगारे, क्रांती महाजन उपस्थित थे.

चेन्नई एक्सप्रेस से 67 लाख कैश जब्त

नागपुर का युवक चेन्नई ले जा रहा था पैसे : खुद को बताया जौहरी

प्रतिनिधि, 17 फरवरी

नागपुर - एक दिन पहले ही नागपुर रेलवे स्टेशन पर चांदी मिलने के बाद शनिवार की दोपहर स्टेशन पर एक एक्सप्रेस में बैठे यात्री के बैग में 67 लाख से ज्यादा की कैश मिली है. आरोपी नागपुर का ही रहने वाला है. वह कैश चैन्नई लेकर जा रहा था. आयकर विभाग को इसकी जानकारी देकर मामला सौंप दिया गया है. फिलहाल इस संबंध में जांच पड़ताल जारी है. कार्रवाई मंडल सुरक्षा अधिकारी ज्योतिकुमार सतीजा के मार्गदर्शन में सिपाही उषा तिग्गा, विकास शर्मा, जसवीर सिंह ने मिलकर की है.

जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर 2 बजे नागपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2 पर ट्रेन नंबर 12616 नई दिल्ली-चेन्नई एक्सप्रेस आई थी. इस ट्रेन में रोज की तरह टीम गश्त लगा रही थी. इसी बीच एस-8 बोगी में 46 नंबर की बर्थ पर बैठा यात्री रामचंद्र मिश्र (48) निवासी नागपुर संदिग्ध अवस्था में दिखा. बैग के बारे में पूछताछ करने पर कोई सही जवाब नहीं मिला. ऐसे में गहन पूछताछ

करने पर उसने बैग में भारतीय करंसी होने की बात कही. कानूनी प्रक्रिया के बाद बैग को खोलने पर उसमें कागज में नोट की गड्डियां लपेटी हुई मिली. जिसमें 2 हजार के नोट कुल 30 लाख व बाकी के 27 लाख 500 के नोट की गड्डियां थीं. यात्री खुद को ज्वेलर्स बता रहा था. ऐसे में इनकम टैक्स को इसकी जानकारी दी गई. जिसके बाद संबंधित कैश के बारे में जांच-पड़ताल जारी कर दी गई है.

लगातार हो रही कार्रवाई

नागपुर रेलवे स्टेशन पर रोजाना 125 एक्सप्रेस गाड़ियां तीनों दिशा में चलती हैं. नागपुर स्टेशन पर यह गाड़ियां कुछ देर के लिए रूकती हैं. गत कुछ महीनों से गाड़ियों में आरपीएफ की टीम ने शराब तस्करी पर लगातार कार्रवाई की है.

शराब की खेप ट्रेनों से पूरी तरह से बंद होने के उद्देश्य से आरपीएफ की टीम लगातार कार्रवाई करती है. स्टेशन पर रूकने वाली गाड़ियों में गश्त लगाते हुए संदेह के आधार पर यात्रियों की जांच-पड़ताल करती है. ऐसे में उक्त मामलों जैसे बड़े मामले लगातार नागपुर स्टेशन पर सामने आ रहे हैं.

मंडल सुरक्षा आयुक्त द्वारा इसी तरह लगातार कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है. एक दिन पहले ही स्टेशन पर 20 किलो चांदी भी पकड़ने का काम किया है. वहीं ट्रेनों में शराब बेचने वालों पर भी लगातार कार्रवाई हो रही है.

वाशिम में सूचना अधिकार कार्यशाला आज

प्रतिनिधि, 17 फरवरी

वाशिम- स्थानीय पंस. सभागृह में सोमवार, 18 फरवरी को सुबह 11 से 4 बजे तक सूचना अधिकार कार्यशाला का आयोजन किया गया है. इसमें मार्गदर्शक पंकज चव्हाण, भास्कर गुड़धे, संतोष खड़से उपस्थित रहेंगे. नागरिकों व विद्यार्थियों से लाभ लेने की अपील अविनाश कांबले ने की है.

वाशिम जिले में कल शराब बिक्री बंद

प्रतिनिधि, 17 फरवरी

वाशिम - जिले में 19 फरवरी को शिवजयंती निमित्त सार्वजनिक शांति, कानून व सुव्यवस्था सुचारु रहने पूरा दिन शराब बिक्री बंद रखने के आदेश जिलाधीश ऋषिकेश मोडक ने दिये हैं. आदेश नहीं मानने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी, ऐसा एक्साइज विभाग ने कहा है.

निजी अस्पताल भी अब कानून के दायरे में

कट-प्रैक्टिस पर रोक लगाने मेडिकल काउंसिल सक्रिय

प्रतिनिधि, 17 फरवरी

नागपुर-निजी, कॉर्पोरेट और चेन-सीरीज हॉस्पिटल्स को भी कानून के दायरे में लाने के लिये महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल ने कदम आगे बढ़ाये हैं. अब अगर सेवा लेते किसी हॉस्पिटल में गलत बातें नजर आयीं तो उसकी शिकायत की जा सकेगी.

निजी, कॉर्पोरेट और चेन-सीरीज हॉस्पिटल्स में हो रहे गलत व्यवसाय को लेकर खबरें सुर्खियों में आती ही रहती हैं. किसी को अगर निजी अस्पताल में भर्ती की सलाह दी जाती है, तो उसके दाखिले से पहले ही नाते-रिश्तेदारों का कलेजा मुंह को आ जाता है. इन अस्पतालों में होने वाली कट-प्रेक्टिस पर रोक लगाने के लिये अब इन्हें भी कानून के दायरे में लाया जा रहा है.

इस बाबत महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल अध्यक्ष डॉ.शिवकुमार उत्तुरे का कहना रहा कि, मेडिकल काउंसिल में अभी मौजूद कानून-1965 जब तैयार किया गया था, तब निजी अस्पतालों की संकल्पना भी अस्तित्व में नहीं आयी थी. आज चित्र बिलकुल उलट है. निजी अस्पतालों को लेकर मरीज और

उनके नाते-रिश्तेदारों की शिकायत आती रहती हैं. लेकिन इस पर कार्रवाई करने का अधिकार मेडिकल काउंसिल कानून में नहीं है. 1965 में बने कानून में बदलाव का अधिकार भी काउंसिल को नहीं है. मेडिकल क्षेत्र में हुए व्यवसायिकरण को देखते हुए अब कानून में बदलाव जरूरी हो गया है. इसके लिये मेडिकल काउंसिल ने प्रयास शुरू किये हैं.

महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल सदस्य डॉ.दिलीप सारडा का कहना है कि, मेडिकल व्यवसाय में कट-प्रेक्टिस बहुत इस्तेमाल होने वाला शब्द बन गया है. डॉक्टर को लेकर मरीज या उनके रिश्तेदारों की शिकायत पर कार्रवाई का अधिकार तो काउंसिल को है, लेकिन कॉर्पोरेट अस्पतालों में लिये यह सुविधा नहीं है. अगर कानून का अंकुश लगा तो ऐसे अस्पताल भी मरीजों के प्रति सकारात्मक हो सकेंगे.

हो क्या रहा है?

महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल कानून के तहत अगर कोई मरीज संबंधित डॉक्टर की शिकायत मेडिकल काउंसिल में करता है तो शिकायत के बाद की गयी शिकायत की जांच कर डॉक्टर पर कार्रवाई करने का अधिकार काउंसिल को है. लेकिन बड़े, निजी, कॉर्पोरेट अस्पतालों पर कार्रवाई का अधिकार काउंसिल के पास नहीं है. इसलिये कानून में जरूरी बदलाव कराने के प्रयास काउंसिल द्वारा किये जा रहे हैं.

- जन आरोग्य अभियान के डॉ. अभिजीत मोरे ने कहा कि, निजी अस्पतालों पर अंकुश के लिये कानून में बदलाव की भूमिका स्वागतयोग्य है. लेकिन ऐसा करते काउंसिल की कार्यपद्धति में पूरी तरह का बदलाव जरूरी है.
- काउंसिल की शिकायत निवारण यंत्रता बेहद सुस्त है. काउंसिल के रुग्णस्नेही न होने की शिकायत भी मरीज व उनके नाते-रिश्तेदार द्वारा की जाती हैं. ऐसी बाते किसी तरह उचित नहीं कही जा सकतीं.
- काउंसिल को डॉक्टरों की ही नहीं सुनना चाहिये, मरीज और उनके नाते-रिस्तेदारों की भी सुननी चाहिये.

वक्फ अधिकारी कार्यालय बना सफेद हाथी

महीने में सिर्फ आठ दिन खुलता है ताला

प्रतिनिधि, 17 फरवरी

नागपुर - महाराष्ट्र वक्फ मंडल का विभागीय वक्फ अधिकारी कार्यालय सफेद हाथी बना हुआ है. विभागीय अधिकारी को छोड़कर यहां कोई स्टॉफ नहीं. महीने में सिर्फ आठ दिन ही यह कार्यालय खुलता है, बाकी दिन ताला लटका रहता है. मस्जिद और मदरसे के काम के सिलसिले में आने वाले लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ता है. पैसों के साथ ही वक्त की बर्बादी होती है.

पांच साल बाद भी स्टॉफ की नियुक्ति नहीं

महाराष्ट्र राज्य वक्फ मंडल का मुख्यालय औरंगाबाद में है. विदर्भ के लोगों को मस्जिद और मदरसे के हर छोटे-बड़े काम के सिलसिले में औरंगाबाद का चक्कर लगाना पड़ता था. इसे देखते हुए एड. आसिफ कुरैशी की पहल पर करीब पांच साल पहले सरकार ने भालदारपुरा स्थित हज हाउस में वक्फ मंडल का विभागीय कार्यालय खोला था. सरकार ने कार्यालय खोलकर केवल विभागीय वक्फ अधिकारी की नियुक्ति की. कार्यालय के कामकाज के लिए स्टाफ नहीं भेजा. शुरुआत में अस्थायी तौर पर तीन लोगों को कार्यालय में रखा गया था. पांच साल बाद भी अस्थायी लोगों की मदद ली जा रही है.

पूरे विदर्भ से आते हैं लोग

विभागीय वक्फ अधिकारी कार्यालय में मस्जिद औद मदसरे का पंजीयन, नामकरण, लीज सहित अन्य कामकाज की कागजी प्रक्रिया होती है. विभागीय कार्यालय होने के कारण पूरे विदर्भ के लोग आते हैं. आने-जाने में पूरा दिन निकल जाता है.

सिर्फ नाम का कार्यालय

नागपुर में वक्फ मंडल कार्यालय सिर्फ नाम का है. पिछले एक महीने से कार्यालय पर ताला लगा हुआ है.

शे. अयाज, पूर्व अध्यक्ष, पूर्व नागपुर ब्लॉक कांग्रेस

सरकार जिम्मेदार

सरकार ने वक्फ मंडल का कार्यालय तो खोला, लेकिन स्टॉफ की नियुक्ति नहीं की. इसके कारण लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है. इसके लिए सरकार और वक्फ मंडल के सीओ जिम्मेदार हैं.

एड. आसिफ कुरैशी, सदस्य, महाराष्ट्र राज्य वक्फ मंडल

10 लोगों की नियुक्ति करें

हज हाउस में नागपुर विभाग वक्फ मंडल का कार्यालय है. लेकिन अमरावती विभाग सहित विदर्भ के 11 जिलों का काम संभालना पड़ता है. हफ्ते में दो दिन कार्यालय में बैठता हूं और और दो दिन जांच के लिए जाता हूं. जांच के बाद हर सोमवार को औरंगाबाद स्थित वक्फ मंडल के मुख्यालय में रिपोर्ट जमा करने के लिए जाना पड़ता है. पिछले करीब 20 दिन से औरंगाबाद और मुंबई के कामकाज के सिलसिले में बाहर हूं.

खुसरो खान, विभागीय वक्फ मंडल अधिकारी, नागपुर विभाग.

आज का इतिहास 18 फरवरी

1695	फ्रांसीसी खोजी ला सेले ने टेक्सास में बस्ती बसाई.
1884	चार्ल्स गोर्डन के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजें सुडान पहुंची.
1836	रामकृष्ण परमहंस देव उर्फ गदाधर चटर्जी का जन्म हुआ.

दलहनों में घट-बढ़ जारी, बटाना मजबूत

प्रतिनिधि, 17 फरवरी

नागपुर- आलोच्य सप्ताह में दलहनों में घट-बढ़ जारी रही. लोकल और बाहरगांव की ग्राहकी साधारण रही. सप्ताह के अंत कश्मीर घाटी में आतंकवादी हमले में भारत के 40 सैनिक शहीद हो जाने से पूरे देश मे दुख और शोक की लहर होने से व्यापार प्रभावित रहा. सप्ताह के अंत दलहनों में मसूरदाल, मूंग-मोगर, उड़दमोगर, तुअरदाल सहित चना-चनादाल के भाव सुस्त रहे. बटाने के भाव मजबूत रहे.अनाजों ने नये चावलों की अच्छी आवकें रहकर ग्राहकी कम होने स भाव नीरस रहे. मौजूदा में भाव कम हैं लेकिन ज्यादा भाव नहीं घटेंगे. महाशिवरात्रि के बाद सुधार संभव है. गेहूं के अच्छे मालों का उठाव रहकर भाव अच्छे रहे.

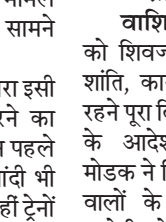

रबी फसल बुआई में 27लाख हेक्टर की गिरावट: देश में मानसूनी बारिश कम होने से कुछ राज्यों में सूखे की स्थिति बन जाने के कारण रबी फसलों का कुछ क्षेत्रफल 15 फरवरी, 2019 तक 617.83 लाख हेक्टर तक ही पहुंचा. बीते साल इसी समय के बीच 643.60 लाख हेक्टर में बुआई हुई थी, जो अब के मुकाबले में 26 लाख हेक्टर ज्यादा थी. हालांकि सबसे प्रमुख गेहूं फसल की बुआई बीते साल के बराबर ही है. लेकिन दलहन, धान और मोटे अनाजों की बुआई में मामूली कमी आयी है. बीते साल दलहन उत्पादन 166.11 लाख हेक्टर में तो इस साल 156.30 लाख हेक्टर में, मोटे अनाज 31.05 लाख हेक्टर से घटकर 25.14 लाख हेक्टर और तिलहनों की बुआई 80.98 से घटकर 80.48 लाख हेक्टर में हुई है. फसलों की कुल बुआई बीते साल की तुलना में 4 प्रतिशत कम है.

नये चावलों की अच्छी आवक

चने में तेजी का भविष्य: मौजूदा में खराब मौसम से एमपी, राजस्थान, यूपी के कई दलहन उत्पादन क्षेत्रों में तेज बारिश और बर्फबारी से चने की तैयार फसल को नुकसान हुआ है. बीते साल की तुलना में इस साल चने की फसल कम है. अभी चल रही नैफेड की बिक्री के कारण सभी दलहनों से दाम को लेकर चना पीछे है. लेकिन होली के आसपास चने में तेजी आ सकती है. पोर्ट पर हल्की घट के साथ मुंबई में भाव 4200 तक रहे. महाराष्ट्र अकोला में 4350-4450, नागपुर 4400-4425, लातूर 5550-4650 और सोलापुर में 4700-4825 तक का व्यापार हुआ. जयपुर,राजस्थान 4200-4250, जोधपुर 3900-4000, इंदौर, एमपी 4200-4250 और कटनी में 4200-4275 तक के भाव रहे. नागपुर में चनादाल मीडियम 5500-5700, मीडियम बेस्ट 5800-6200 और सुपर बेस्ट के भाव 6400-6800 तक रहे. सबसे अचरच की बात यह कि अभी बटाना भाव चने से 500-700 रुपये ज्यादा है. बटाने का आयात बंद है. मुंबई पोर्ट में बटाना कनाडा पुरान 4700, नया 4950 और यूक्रेन के भाव 4750 तक के रहे. देसी बटाना यूपी भाव 4600-5000 तक रहे. नागपुर में बटाना दाल के भाव 5700-5800 तक रहे. होली के बाद संभावना है कि चने के भाव बटाने तक पहुंचें.

'साप्ताहिक बाजार समीक्षा'

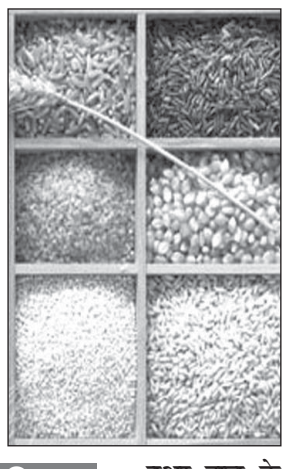

तुअर दाल के कम उठाव से सुस्ती: तुअर में ग्राहकी कम रहकर महाराष्ट्र, लातूर 5300-5500(नया), अकोला 5350-5400 और नागपुर भाव 5450 तक के रहे. इस साल तुअर का घरेलू उत्पादन कम है. बर्मा में भी इस साल कम फसल है. महाराष्ट्र और कर्नाटक की मंडियों में नये तुअर की आवक कम है. कर्नाटक सरकार किसानों से 6100 की दर से तुअर खरीदी कर रही है. महाराष्ट्र में सरकारी खरीदी बेहद कम है. अब तक हजार से भी कम ह्क्वटल की खरीदी हुई है. दिलचस्प बात यह कि राज्य में 25 लाख ह्क्वटल खरीदी का लक्ष्य रखा गया है. अब लक्ष्य पूरा हो तो कैसे? होली तक तुअर में 400-500 रुपये तक तेजी आ सकती है. एमएसपी से भाव ज्यादा होने से किसान खुले बाजार में बिक्री करेगा. सप्ताह के अंत मुंबई में आयातित लेमन तुअर के भाव 5000 तक रहे. नागपुर में तुअरदाल बेस्ट नये फटके 8100-8250, पुराने 7700-7800, तुअर दाल नयी बेस्ट फोड़ 7400-7600 और पुरानी के भाव 6900-7300 तक के रहे. इस साल कम फसल के चलते आने वाले दिनों में तुअरदाल के भाव बढ़ेंगे.

मूंग-उड़द-मसूर नर्म: मूंग में व्यापार कमजोर रहकर राजस्थान में भाव 100-150 तक सुस्त रहे. जोधपुर, राजस्थान 5100-5300, जयपुर 5200-5600, एमपी, इंदौर 5500-5700, महाराष्ट्र, लातूर 5800, अकोला 5500, जलगांव 5200-5800, कर्नाटक में 5000-5600, गुजरात, अहमदाबाद में 5000-5900 तक भाव रहे. नागपुर में मूंगमोगर बेस्ट 7500-7800 और मीडियम बेस्ट के भाव 6500-7200 तक रहे. मूंगदाल छिलका में 6200-7800 तक का व्यापार हुआ. पोर्ट में उड़द 100-150 रुपये भाव घटकर अकोला 5000-5100 और जलगांव भाव 4500-5200 तक के रहे. होली के बाद उड़द भाव में तेजी आ सकती है. नागपुर में उड़दमोगर बेस्ट7000-8000 और मीडियम बेस्ट के भाव 5500-6500 तक रहे. मसूर की नयी फसल आने का समय करीब होने से भाव 75-100 तक ढीले रहे. मुंबई में कनाडा मसूर 4000-4200 और ऑस्ट्रेलिया मसूर के भाव 4100-4300 तक के रहे. आयात डयूटी ज्यादा होने से आयात कम है, इसलिये मसूर के भाव ज्यादा नहीं घटेंगे. नागपुर में मसूरदाल बेस्ट5600-5800 और मीडियम बेस्ट के भाव 5300-5500 तक रहे. लाखोड़ीदाल 4900-5100, हरा बटाना 7500-7700 और सफेद बटाना के भाव 5200-5400 तक के रहे.

नये चावलों की अच्छी आवक: मौजूदा में नये चावलों की अच्छी आवक से भाव नीरस रहे. मीडियम अन-ब्रांडेड मार्का माल कम दामों पर उपलब्ध है. नये चावल बीपीटी 2800-3200, एचएमटी 3400- 3600, जयश्रीराम 4000-4500 और चिन्नोर के भाव 4600-5000 तक रहे. पुराने चावल स्वर्णा 2500-2700, बीपीटी 3200-3800, एचमएटी 4200-4500, जयश्रीराम 4800-5600 और चिन्नोर के भाव 6500-7000 तक रहे.होली तक पुराने चावलों की ग्राहकी अच्छी रहती है. महाशिवरात्रि के बाद मंडियों में आवकें घटती हैं. अभी भाव कम स्तर पर हैं, ज्यादा भाव नहीं घटेंगे. कनकी पुराने माल मीडियम 2200-2800 और बेस्ट कें भाव 3500-4500 तक के रहे.

प्रताप ए.मोटवानी,नागपुर.

दालें-अनाज

चना (मिल क्वालिटी) 4400	गेहूं मिल क्वालिटी 2150
चना (ऑस्ट्रेलियन,मुंबई)4200 पुराना	गेहूं लोकवन मिडियम 2350-2500
चनादाल मिडियम 5600-5800	गेहूं लोकवन सुपर बेस्ट 2600-2650
चनादाल मिडियम बेस्ट 6000-6200	एम.पी.बोट मिडियम बेस्ट 2800-3200
चनादाल सुपर बेस्ट 6400-6800	चावल स्वर्णा बेस्ट (पुराना) 2600-2800
तुअरदाल बेस्ट सारटैक्स फटका (नया) 8100-8200	चावल स्वर्णा मिडीयम (पुराना) 2500-2550
तुअरदाल नान सारटैक्स फटका (नया) 7600-7900	चावल बी.पी.टी. (पुराना) 3400-3800
तुअरदाल सारटैक्स फोड (नया) 7300-7500	चावल एच.एम.टी. (पुराना) 4000-4500
तुअर दाल नान सारटैक्स फोड (नया) 6800-7200	चावल जयश्रीराम बेस्ट (पुराना) 4900-5600
मसूलदाल बेस्ट 5600-5800	चावल जयश्रीराम मिडीयम (पुराना) 4600-4800
मसूरदाल मिडियम 5300-5500	चावल चिन्नोर बेस्ट (पुराना) 6600-7000
मूंग मोगर सुपर बोल्ड (नया) 7800-8800	बासमती बेस्ट 9000-13500
मूंग मोगर मिडियम बेस्ट (नया) 6500-7500	बासमती मिडियम 4800-7000
मूंगदाल (नया) 6300-7800	कनकी बेस्ट 3800-4500
उड़दमोगर सुपर बेस्ट (नया) 7500-8000	कनकी मिडियम 2300-2800
उडदमोगर मिडियम बेस्ट (नया) 5600-6500	पोहा पतला 3300-3900
बटरीदाल -----	पोहा जाड़ा 3100-3800
बटानादाल 5700-5800	मुरमुरा बोरा 220-360
मूंग चमकी (नया) 7800-8800	मुरमुरा लोथ 415-430
मोठ 5100-6500	दालिया 6900-7900